Conference on excellence in research, education inaugurated at IIM

OUR STAFF REPORTER
INDORE

Formal inaugural ceremony of conference on excellence in research and education (CERE) was held here on Friday. The four day conference began on Thursday with two pre-conference workshops conducted by experts. The conference will have more than 90 paper presentations by around 150 participants from various institutes across the nation.

The inauguration of the conference took place in the presence of Professor Pulak Ghosh, faculty, IIM Bangalore, Professor Rishikesha T Krishnan, director, IIM Indore and all research fellows, scholars, faculty and students.

Prof Krishnan in his address discussed about the importance of research and how to come up with newer ideas. He also discussed about the evergreen debate between management theory and practices.

'We need to put our efforts to improve higher education both in terms of quality and quantity, and focus on research', he said. He mentioned that the ranking systems today not only measure how many research paper a scholar has published, or how many conferences or seminars he/she attended, but also what contribution his/her research brought in the society as a whole.

CERE coordinator Shweta Gupta shared her views about the conference and discussed about the need to understand self-management quoting examples from the 'Bhagwad Gita'.

This was followed by the first keynote address of the day by Prof Ghosh, faculty. He gave an informative presentation on 'How big data is changing management research'. Big Data, he said, refers to large volume of data and can be a combination of digital information of both structured and unstructured data derived from consumers in digital world like web app, social networks etc.; but for practical purposes,it is the value that comes from analyzing various kinds and sizes of datasets to make better decisions.

The second half of the day witnessed various technical sessions, followed by another keynote address by Professor Richard M Burton, Duke University, USA. His presentation was on 'Three great books of 1967' which discussed about the three very influential books of management namely, 'Organizations in Action: Social Science Bases of Administrative Theory' by James D Thompson; 'Organization and Environment' by Paul R Lawrence and J W Lorsch and 'A Theory of Leadership Effectiveness' by Fred Fiedler.

Day three of the conference would have a keynote address by Professor RajendraSrivastav, ISB Hyderabad and various technical sessions.

Free Press, May 6, 2017, Page-2

CERE to be held at IIM Indore from tomorrow

OUR STAFF REPORTER
INDORE

Indian Institute of Management Indore is going to host 8th Conference on Excellence in Research and Education (CERE) from May 4 to 7.

The theme of the conference is 'Celebrating 50 years of Contingency Theory'.

Year 2017 celebrates 50th year of three very influential management books of the last century namely, 'Organizations in Action: Social Science Bases of Administrative Theory' by James D Thompson; 'Organization and Environment' by Paul R Lawrence and J W Lorsch and 'A Theory of Leadership Effectiveness' by Fred Fiedler.

"The conference aims to celebrate these path-breaking books and offer a forum to discuss and deliberate on the ideas of these three authoritative works in the contingency theory," IIM Indore media incharge Ananya Mishra said.

The speakers coming for different sessions of the conference include Richard Burton, from Duke University, Prof Rajendra Srivastav from ISB Hyderabad Prof Pulak Ghosh from IIM Bangalore, NK Sharma from IIT Kanpur.

The conference will witness participants from various colleges and universities across India, including MBA students, research scholars and faculty.

Apart from the technical sessions and workshops, a cultural event is planned for all the attendees along with the conference dinner which shall enable the participants to interact with everyone around and gain the best from the four day event.

Free Press, May 3, 2017, Page - 4

आईआईएम में सीईआरई के 8वें सम्मेलन का आगाज

पढ़ाई में परेशानी की वजह प्रेक्टिस में गेप

दबंग रिपोर्टर ✡ इंदौर

आईआईएम इंदौर में रिसर्च एंड एजुकेशन में उत्कृष्टता (सीईआरई) का 8वां सम्मेलन गुरुवार से शुरू हुआ। इसका विषय '50 साल के आकस्मिकता सिद्धांत का जश्न मानना' है। चार दिवसीय सम्मेलन में 90 से अधिक पेपर प्रेजेंट किए जाएंगे व तीन कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। 150 से भी अधिक रिसर्च स्कॉलर, फैकल्टी और मैनेजमेंट स्टूडेंट्स ने सम्मेलन में भाग लिया। संयुक्त राज्य अमेरिका के ड्यूक विश्वविद्यालय से आए प्रो. रिचर्ड बर्टन, प्रोफेसर एमेरिट्स के साथ हुए इंटरेक्टिव सेशन के साथ सत्र का पहला दिन शुरू हुआ। इसमें शिक्षा प्रबंधन, रिसर्च प्रेक्टिस और शैक्षणिक संस्थानों के भविष्य को लेकर चर्चा हुई। प्रो. बर्टन ने कहा एमबीए स्नातकों को पढ़ाने के दौरान आने वाली दिक्कत की मुख्य वजह मैनेजमेंट रिसर्च और प्रेक्टिस में गेप है, इसे हल करने के संबंध में भी उन्होंने चर्चा की।

आईआईएम के सम्मेलन को संबोधित करते प्रो. रिचार्ड बर्टन।

प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप हुई - दोपहर में दो प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप भी आयोजित की गईं। पहली कार्यशाला आईआईएम इंदौर के प्रो. मनोज मोतीयन द्वारा आयोजित की गई, जिसका विषय 'इंटरवेशन इन रिसर्च' था। दूसरी कार्यशाला आईआईटी कानपुर के प्रो. एनके शर्मा द्वारा 'एक्सपेरिमेंटल डिजाइन' विषय पर आयोजित की गई। दोनों कार्यशालाओं में विभिन्न कॉलेजों के रिसर्च स्कॉलर, फैकल्टी मेंबर और स्टूडेंट्स की भागीदारी देखने को मिली। सम्मेलन का उद्घाटन समारोह प्रो. पुलक घोष, फैकल्टी, आईआईएम बेंगलुरु की उपस्थिति में होगा।

Dabang Dunia, April 5, 2017, Page-11

आईआईएम में सीईआरई कल से

इंदौर। आईआईएम इंदौर की 8वीं कांफ्रेंस ऑन एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन(सीईआरई) की शुरुआत 4 मई से होने जा रही है। 7 मई तक चलने वाली इस कांफ्रेंस में प्रो. रिचर्ड बुर्टन प्रो. इमिरेट्स, प्रो. राजेंद्र श्रीवास्तव आईएसबी हैदराबाद, प्रो. पलक घोष आईआईएम बेंगलुरु उपस्थित रहेंगे। इसमें एक्सपर्ट भारत के बाहर के टॉप कॉलेज और यूनिवर्सिटी से भी परिचित करवाएंगे।

Raj Express, May 3, 2017, Page - 5

सीईआरई आज से

यंग रिपोर्टर, इंदौर। आईआईएम इंदौर में रिसर्च एंड एज्यूकेशन (सीईआरई) में उत्कृष्टता के 8वें सम्मेलन की शुरुआत 4 मई से होगी। चार दिनी इस सम्मेलन का विषय '50 साल का आकस्मिकता सिद्धांत' होगा।इस अवसर पर वर्ष-2017 की तीन प्रभावशाली प्रबंधन पुस्तकों के 50वें वर्ष का जश्न मनाया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य पथ तोड़ने वाली पुस्तकों का जश्न मनाने और आकस्मिक सिद्धांत में इन तीनों अधिकारिक कार्यों के विचारों पर विमर्श करने और चर्चा करने लिए मंच प्रदान करना है। चार दिन अलग-अलग वक्ता उद्बोधन देंगे।शुरुआत ड्यूक यूनिवर्सिटी और एडिटर स्ट्रैजिक मैनेजमेंट जर्नल प्रो. रिचर्ड बर्टन द्वारा आकस्मिकता के सिद्धांत पर चर्चा की जाएगी। प्रो. राजेंद्र श्रीवास्तव आईएसबी हैदराबाद, प्रो. पुलक घोष आईआईएम बैंगलुरु, प्रो. एनके शर्मा आईआईटी कानपुर, प्रायोगिक डिजाइन कार्यशाला में शामिल होंगे।

Peoples Samachar, May 4, 2017, Page - 12 (i am Indore)

आईआईएम में सीईआरई 4 से

यंग रिपोर्टर। आईआईएम इंदौर में (सीईआरई) रिसर्च एंड एजुकेशन में उत्कृष्टताके 8वें सम्मेलन की शुँआत 4 मई से होगी। चार दिवसीय इस सम्मेलन का विषय '50 साल का आकस्मिकता सिद्धांत' होगा। इस अवसर पर वर्ष 2017 की तीन प्रभावशाली प्रबंधन पुस्तकों के 50वें वर्ष का जश्न मनाया जाएगा।सम्मेलन का उद्देश्य पथ तोड़ने वाली पुस्तकों का जश्न मनाने और आकस्मिक सिद्धांत में इन तीनों आधिकारिक कार्यों के विचारों पर विमर्श करने और चर्चा करने लिए मंच प्रदान करता है।

इस अवसर पर चार दिन अलग-अलग वक्ता उद्बोधन देंगे।शुरुआत ड्यूक यूनिवर्सिटी और एडिटर स्ट्रैजिक मैनेजमेंट जर्नल प्रो. रिचर्ड बर्टन द्वारा आकस्मिकता के सिद्धांत पर चर्चा की जाएगी। प्रो. राजेंद्र श्रीवास्तव आईएसबी हैदराबाद, प्रो. पुलक घोष आईआईएम बैंगलूरु, प्रो. एनके शर्मा आईआईटी कानपुर, प्रायोगिक डिजाइन कार्यशाला में शामिल होंगे। इसके साथ ही प्रो. रामधर सिंह विज्ञान और वैज्ञानिक लेखन पर कार्यशाला में स्टूडेंट्स को जानकारी देंगे।

Peoples Samachar, May 3, 2017, Page - 9 (i am Indore)

मैनेजमेंट रिसर्च और प्रैक्टिस के अंतर को कम करने पर बढ़ाएं फोकस

आईआईएम में सीईआरई कॉन्फ्रेंस

यंग रिपोर्टर ● इंदौर
editor@peoplessamachar.co.in

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) में गुरुवार से चार दिवसीय कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हुई। कॉन्फ्रेंस ऑन एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एज्यूकेशन (सीईआरई) में आकस्मिकता के सिद्धांत के 50 वर्षों का उत्सव शुरू हुआ। पहले दिन प्रो. रिचर्ड बर्टन, ड्यूक विश्वविद्यालय अमेरिका ने स्टूडेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने स्वयं के अनुभवों को व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में कई चुनौतियां मैनेजमेंट की फील्ड में शेष हैं। सबसे बड़ी चुनौती मैनेजमेंट रिचर्स और प्रैक्टिस के बीच का डिफरेंस है। इसे हल किए जाने पर विचार करने की जरूरत है। उन्होंने

प्रो. एन के शर्मा

भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था और मैनेजमेंट एज्यूकेशन के परिदृश्य पर भी स्टूडेंट्स को संबोधित किया, साथ ही रिसर्च में उपयोग होने वाली नई टेक्निक से भी स्टूडेंट्स को रूबरू कराया।

एक्सपेरिमेंटल डिजाइन की बारीकी

इस दौरान दो महत्वपूर्ण विषयों का वर्कशॉप की गई।रिसर्च में इंटेरेंटिशन विषय पर आयोजित वर्कशॉप में प्रो. मनोज मोतियानी ने स्टूडेंट्स को रिसर्च से जुड़ी बारीकियों की जानकारी दी, ताकि रिचर्स की शुरुआत ही बेहतर और सकारात्मक हो सके।एक्सपेरिमेंटल डिजाइन विषय पर आयोजित वर्कशॉप में प्रो. एनके शर्मा ने स्टूडेंट्स को नित-नए एक्सपेरिमेंट्स से रूबरू कराने के साथ ही उन्हें एक्सपेरिमेंट्स करने के लिए आधार तैयार करने की जानकारी दी, ताकि प्रयोग सही रूप में सही दिशा में किए जा सकें।

Peoples Samachar, April 5, 2017, Page-9

बिग डेटा से समझ सकते हैं यूजर का साइकोलॉजिकल बिहेवियर

आईआईएम इंदौर की कॉन्फ्रेंस में पहुंचे प्रो. पुलक घोष

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ● एप्स, सोशल मीडिया कंज्यूमर से डेली बड़ी मात्रा में डेटा जनरेट हो रहा है। यह स्ट्रक्चर और अनस्ट्रक्चर डेटा का डिजिटल कॉम्बिनेशन है। बिग डेटा एनालिसिस से यूजर की साइकोलॉजी को समझा जा सकता है, जो मैनेजमेंट रिसर्च में इम्पॉर्टेंट रोल प्ले कर सकती है।

यह कहना है आईआईएम बेंगलूरु के प्रोफेसर पुलक घोष का। वह शुक्रवार को आईआईएम इंदौर में एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिग डेटा को वॉल्यूम, वेलोसिटी, वैरायटी और वैरेसिटी के बेसिस पर एनालिसिस किया जाता है। उन्होंने कहा कि वॉल्यूम में यह देखा जाता है कि वह डेटा कितना बड़ा है, वही वैलोसिटी में उसके आने की स्पीड का एनालिसिस

किया जाता है। वही वैरायटी के जरिए डाटा के प्रकार को चेक किया जाता है और वरैसिटी के जरिए उसकी सत्याता और प्रमाणिकता का परखा जाता है।

रिसर्च का हो सोसायटी में योगदान : आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर ऋषिकेश टी कृष्णन ने कहा कि हायर एजुकेशन की क्वालिटी और क्वांटिटी इम्प्रूव करने के साथ हमें रिसर्च पर फोकस करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस्तेमाल होने वाला रैंकिंग सिस्टम में न सिर्फ इसका ध्यान दिया जाता है कि स्कॉलर के कितने रिसर्च पेपर पब्लिश हुए और उसने कितने कॉन्फ्रेंस और सेमिनार में हिस्सा लिया, बल्कि इसका भी ध्यान रखते है कि रिसर्च का सोसायटी में क्या योगदान रहा।

थ्री ग्रेट बुक ऑफ 1967 पर दिया प्रंजेटेशन

कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए ड्यूक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट जर्नल के एडिटर प्रो. रिचर्ड बर्टन ने 'थ्री ग्रेट बुक ऑफ 1967' पर प्रेजेंटेशन दिया। इनमें जेम्स डी थॉमसन की 'आर्गेनाइजेशन इन एक्शन-सोशल साइंस बेस ऑफ एडमिनिस्ट्रीव थ्योरी', पॉल आर लॉरेंस और जे डब्लू लॉसर्च की 'आर्गनाइजेशन एंड एन्वायर्नमेंट' और फ्रेड फ्रीइडलर की 'ए थ्योरी ऑफ लीडरशिप इफेक्टिवनेस' शामिल थी। उन्होंने इन तीनों बुक में रिसर्च के लिए यूज़ हुई मैथडोलॉजी पर भी डिस्कशन किया।

Patrika, May 6, 2017, Page-16

एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन कॉन्फ्रेंस कल से

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ● आईआईएम इंदौर में 4 मई से 8वीं एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। कान्फ्रेंस की थीम 'सेलिब्रेटिंग 50 ईयर ऑफ कन्टिन्जन्सी थ्योरी ' रखी गई है। कॉन्फ्रेंस में ड्यूक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट जर्नल के एडिटर प्रो. रिचर्ड बर्टन बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त आईएसबी हैदराबाद के प्रो. राजेंद्र श्रीवास्तव और आईआईएम बेंगलूरु के प्रो. पुलक घोष भी लैक्चर देंगे। आईआईटी कानपुर के प्रो. एनके शर्मा एक्सपेरिमेंटल डिजाइन पर वर्कशॉप कंडक्ट करेंगे। वही प्रो. रमाधार सिंह द्वारा साइंस एंड साइंटिफिक राइटिंग पर वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में देश के कॉलेजों के स्टूडेंट्स और रिसर्च स्कॉलर शिरकत करेंगे।

Patrika, May 3, 2017, Page - 14 (Patrika Plus)

मैनेजमेंट रिसर्च और प्रैक्टिस के गैप को कम करने की जरूरत

आईआईएम में कॉन्फ्रेंस

इंदौर ● आईआईएम इंदौर में गुरुवार से एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हुई। कॉन्फ्रेंस का आयोजन 'सेलिब्रेटिंग 50 ईयर ऑफ कंटिंजंसी थ्योरी' पर किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस में ड्यूक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट जर्नल के एडिटर प्रो. रिचर्ड बर्टन ने कहा कि मैनेजमेंट एजुकेशन एक इमर्जिंग इकोनॉमी है, लेकिन मैनेजमेंट रिसर्च और प्रैक्टिस में काफी गैप है, जिसे कम करने की जरूरत है। कॉन्फ्रेंस के पहले दिन आईआईएम इंदौर के प्रो. मनोज मोतियानी ने इंटरवेंशन इन रिसर्च पर वर्कशॉप ली। आईआईटी कानपुर के प्रो. एनके शर्मा ने एक्सपेरिमेंटल डिजाइन विषय पर वर्कशॉप कंडक्ट की। कॉन्फ्रेंस की इनॉग्रल सेरेमनी का आयोजन शुक्रवार को किया जाएगा। समारोह में आईआईएम बेंगलूरु के प्रो. पुलक घोष शिरकत करेंगे।

Patrika, April 5, 2017, Page-16

मैनेजमेंट की पढ़ाई में रिसर्च पर हो ज्यादा ध्यान

इंदौर। मैनेजमेंट की पढ़ाई के दौरान रिसर्च पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। रिसर्च के बिना प्रबंधन के मूल तथ्यों को नहीं समझा जा सकता। मैनेजमेंट की अध्यापन कला कैसी हो, रिसर्च किस तरह की जाए और अध्यापन में भविष्य कैसा है? इन सभी मुद्दों पर अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रिचर्ड बर्टन ने आईआईएम इंदौर के स्टूडेंट्स से बात की। गुरुवार से आईआईएम में कांफ्रेंस ऑन एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन (सीईआरई) की शुरुआत हुई। यह कांफ्रेंस 7 मई तक चलेगी। इस कांफ्रेंस में करीब 90 पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे और 150 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। पहले दिन प्रोफेसर बर्टन ने एमबीए के स्टूडेंट्स को पढ़ाने के अपने अनुभव, इस दौरान आने वाली चुनौतियों और मैनेजमेंट रिसर्च एवं प्रैक्टिस में गेप और उस गेप को भरने के लिए जरूरी बातों पर चर्चा की। गुरुवार को दो प्री-कांफ्रेंस वर्कशॉप भी हुईं इनमें इंटरवेंशन इन रिसर्च विषय पर कानपुर के प्रोफेसर एन के शर्मा ने स्टूडेंट्स से बात की। कांफ्रेंस की विधिवत शुरुआत आज होगी।

Nai Dunia
April 5, 2017, Page-17

CERE AT IIM INDORE 160+ participants, 90 paper presentations, experts talk with Q&A session, dedicated workshops, Doctoral Colloquium…

Education not about delivery, it is all about learning: IIM Indore dean

OUR STAFF REPORTER
Indore

The four-day 'Conference on Excellence in Research and Education' (CERE) concluded at IIM Indore on Sunday.

The conference witnessed more than 90 paper presentations made by over 160 participants from various institutes across the country. Such varied conglomeration of experts and researchers also provided an opportunity for professionals to interact with experts from various fields, gain knowledge and ideas from keynote addresses delivered by specialists and learn more about a range of topics, from research to IT by attending the dedicated workshops.

Participants of CERE pose for group photo on conducing day of the conference on Sunday FP PHOTO

The third day of the conference witnessed keynote address by Prof Rajendra Srivastav from ISB Hyderabad. He spoke on "Challenges in Education and Research in Context of Emerging Markets." His talk revolved around challenges like relevance of management research in the contemporary business context and lack of focus on emerging markets.

Sharing a few initiatives taken by ISB to overcome the challenges, Srivastav also discussed about various trends in local market and how to understand them. The session was followed by a question and answer session.

Prof Ramadhar Singh from Ahmedabad University conducted the last workshop of the concluding day. The workshop was themed on 'Science and Scientific Writing', which provided insights into the do's and don'ts of academic research writing. Singh also shared tips on standard structure of a research paper and best writing techniques to make any doctoral thesis more publishable.

A Doctoral Colloquium was also held on the concluding day of the conference followed by valedictory function. Prof Kamal K Jain, dean (academic), IIM Indore and Prof Patturaja Selvaraj, chair, FPM, IIM Indore were the guests of the programme.

Jain, while discussing various malpractices in research and its effects on academia, noted that "Education is not about delivery, it is all about learning, and this is the objective the conference aims at."

"The conference had its first edition in the year 2009 and the number of papers received during these years has increased. This year over 160 papers were received, out of which only 90 were shortlisted and presented in the conference," he informed.

BEST PAPER AWARDS

CERE Advisory Committee, a panel of five IIM Indore faculty members awarded three 'best paper' prizes in three different categories on the basis of originality, methodological rigour, the paper's contribution to the literature and relevance to the industry. Winners of the award received a certificate and a cash prize of Rs 30,000 each. Recipients of the Best Paper award in three categories are:

GENERAL TRACK: Paper by Saswat Patra and Malay Bhattacharya from IIM Bangalore on 'First Passage Time Probabilities for Pearson Diffusion Process with Application to Options'

CONTINGENCY TRACK: Paper by Harpreet Singh Bedi from Lovely Professional University on 'A Contingency Approach to Entrepreneurial Orientation— Business Performance Relationship'

DOCTORAL COLLOQUIUM: Paper by Sonal Thukral from Sriram College of Commerce on 'Financing Pattern of Outward Foreign Direct Investment by Indian Multinational Enterprises'

Free Press, May 8, 2017, Page-2